

ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की | By Sheetal Pandey

ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की
रहता भगवान् उसके सदा साथ है
बन गया जो खुशी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

छोड़ो चिंता सभी ना गमो से डरो
बूढ़े माँ बाप की आप सेवा करो
उसकी करता है चिंता जगत का पिता
जिसको चिंता लगे अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

देखती उनका रास्ता यहाँ हर खुशी
जिसने माँ बाप पे वार दी ज़िन्दगी
ना मुसीबत डरा पाई उनको कभी
हुआ जिनको मिली अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

याद रखता नहीं क्यों ये इंसान है
जिसने जीवन दिया वो ही भगवान् है
उसके जीवन में दुःख कोई आता नहीं
जिसके दिल में छवि अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

डांटता है पिता तो है उसका सबब
माँ की ममता को समझेगा पागल तू कब
वो सदा खुश रहा ना हुआ है दुखी
जिसने बातें सुनी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

बेधड़क कह रहा बात दिल से लगा
अपने माँ बाप को तुम ना देना दागा
नूर बनके यहाँ वो चमकने लगा
जो बना रौशनी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%89%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%82%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%a0-%e0%a4%95/>